>

Title: Need to include keer caste in the list of Scheduled Tribes.

श्री उदय प्रताप सिंह (होशंगाबाद): सभापति महोदय, मैं मध्य प्रदेश की आदिवासी कीर जाति, जो हमारे यहां की महत्वपूर्ण अनुसूचित जनजाति है के संबंध में सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। यह जनजाति होशंगाबाद, नरसिंहपुर और नर्मदा के तट बहुसंख्यक समाज के तौर पर रहती है।

सन् 2003 में तत्कालीन भाजपा लेड केंद्रीय सरकान ने कीर जाति को अनुसूचित जनजाति की सूचि से हटा दिया था। कीर जाति का इतिहास पूर्णतया आदिवासी संस्कृति से जुड़ा रहा है। आज भी इनका जीवन निर्वाह सुदूर जंगलों और नर्मदा के किनारे गांवों में होता है। जिसके कारण शिक्षा का अभाव एवं समाज की मुख्य धारा से यह कीर जाति कटी हुई है। तत्कालीन केंद्र सरकार ने बिना राज्य सरकार के परामर्श एवं अनुशंसा के जो निर्णय लिया था, वह असंवैधानिक निर्णय था। पूर्व में मध्य प्रदेश सरकार के आदिम जाति अनुसंधान एवं विकास संस्थान के निर्देशन में करवाये गये सर्वेक्षण और अध्ययन में कीर जाति को पुनः अनुसूचित जनजाति में रखने की अनुशंसा की गयी थी। साथ ही दिनांक 28 फरवरी, 2003 को मध्य प्रदेश की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने प्रदेश की विधानसभा में इस संबंध में अशासकीय संकल्प पारित किया था, जिसमें सदन में यह सहमति व्यक्त की थी कि कीर जाति को दोबारा अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाए और इस तरह का एक नोट बनाकर केंद्र सरकार को भेजा था।

मेरा आपके माध्यम से केंद्र सरकार से अनुरोध है, माननीय मंत्री जी यहां बैठे हैं कि कीर जाति को पुनः अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाए, जिससे इस वर्ग को शिक्षा और दूसरे जो लाभ उन्हें समाज में मिलने चाहिए, जो नहीं मिल रहे हैं, दोबारा कीर जाति को मिल सकें, कीर जाति का उत्थान हो सके। यह मैं आपके माध्यम से इस सदन में आग्रह करना चाहता हूं,।

MR. CHAIRMAN : Shri Narayan Singh Amlabe is also associating with the issue raised by Shri Uday Pratap Singh.